प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा 21–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ

पंतनगर 29 नवम्बर 2022। विश्वविद्यालय में कृषि महाविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा 21–दिवसीय 'उन्नत तकनीकों द्वारा पादप रोगों का निदान एवं पूर्वानुमान' विषय पर उच्च संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ किया गया। कार्यक्रम में देश के 10 राज्यों के 24 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभाग कर रहें हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डा. एस.के. कश्यप ने की। उन्होंने धान की खैरा बीमारी के बारे में बताते हुए पादप रोग विभाग के एतिहासिक महत्व को बताया। पादप रोग वैज्ञानिकों की देश में खाद्यान सुरक्षा में विशेष भूमिका है। इस संदर्भ में नयी तकनीकों का समावेश कर पादप सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों को पादप रोग के अध्ययन में बुनियादी विधियों के साथ–साथ नयी तकनीकों जैसे रिमोंटसेन्सिग एवं कम्प्यूटर मॉडल का समावेश कर समय की मांग के अनुसार अध्ययन करने की आवश्यकता पर महत्व दिया तथा उस विधा को किसानों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर महत्व दिया गया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से एकीकृत रूप से विभिन्न परियोजनाओं में कार्य करने हेतु विशेष बल दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत निदेशक, उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र, डा. प्रदीप कुमार के स्वागत कर किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहा–प्राध्यापक, डा. शैलबाला शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन डा. के.पी. सिंह, कार्यक्रम समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभाग के सभी वैज्ञानिक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित करते अधिष्ठाता कृषि, डा. एस.के. कश्यप।

निदेशक संचार